वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : डडगाढ़

क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 02 पौधों की संख्या : 610

संस्थागत लागत : 7,503 समुदाय लागत : 427 कुल लागत : 7,930

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुआॅ/हैण्डपम्प	01	63,360	51,360	12,000
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	06	64,800	55,800	9,000
			1,28,160	1,07,160	21,000

7. अन्य कार्यक्रम

- ग्राम तल्ला डौडा में पशु नस्ल सुधार हेतु 2 कास्तकारों द्वारा अपने पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान करवाया ।
- **मुर्गी पालन** के तहत 01 कास्तकारों द्वारा 14 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।

आपके विचार व मार्गदर्शन पत्रिका के प्रकाशन हेतु अति महत्वपूर्ण है,

सहयोग –

श्रीमती अनीता पौल
श्री संजय जोशी

पत्र–व्यवहार हेतु पता –

पो0 बैग 3, रानीखेत, जिला अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड
फोन नं0 05966 221516, 240430

गधेरा!

जन,जल,जंगल,व आजीविका आधारित समुदाय की द्विमासिक पत्रिका

प्रति अंक रू. 2 सीमित वितरण हेतु अंक तृतीय माह दिसम्बर 2008

सम्पादकीय......

गगास जलागम क्षेत्र के समुदाय द्वारा क्रियान्वित गधेरा बचाओ अभियान का उल्लेख गधेरा पत्रिका के तृतीय अंक के माध्यम से प्रस्तुत कर रहे हैं। इस अभियान से जुड़ें समुदाय को ग्रासरूटस तथा कुमॉऊ कारीगर समिति की ओर से पुनःधन्यवाद, जिन्होने पूर्णतः समर्पित होकर इस अभियान को दिशा प्रदान करते हुये सफलता की ओर कदम ऊठाये।

विगत वर्ष के दौरान सामुदायिक संगठनों के सशक्तीकरण के साथ –साथ दुसाद गधेरा मंच के प्रयासों के फलस्वरूप जल संवर्धन के कार्य ने गति पकड़ी है। वन विभाग, अल्मोड़ा के साथ ताल मेल बनाकर उखल्लेख आरक्षित वन क्षेत्र में भी मंच द्वारा नवयुवकों का एक दल गठित कर जल संवर्धन के कार्य शुरू किये गये।

दुसाद एंव कनाड़ी गधेरों के समुदाय के प्रयासों के फलस्वरूप प्लाट में पशुओं के खुले चरान को रोककर घास उत्पादन की मात्रा में बढ़ोतरी हुई है। स्वंय सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं ने घास बॅटवारे की प्रक्रिया को सुचारू रूप से जारी रखा।

गधेरा बचाओ समितियों द्वारा उपरोक्त दोनो गधेरों में पिछले तीन सालों में चौड़ी पत्तीयों 2,31,939 पौधों का रोपण किया गया है। गॅाव वालों द्वारा आपसी तालमेल कर सुरक्षा की उचित व्यवस्था की जा रही है, वर्तमान में काफी पौधे अच्छी स्थिति में है। इसके संचालन में स्वंय सहायता समूह की भूमिका सराहनीय साबित हो रही है।

दुसाद व कनाड़ी गधेरे से 5 नवयुवको को उत्तराखण्ड लाईव स्टोक डेवलपमेन्ट बोर्ड से **पशु नस्ल सुधार हेतु कृत्रिम गर्भधान का प्रशिक्षण** दिया गया, प्रशिक्षण लेने के बाद कनाड़ी गधेरे से एक नवयुवक (महेन्द्र सिंह,ग्राम दूणी) ने पिछले एक सालों में पशुओं की नस्ल सुधारने के लिए 205 गाय/भैंसों का इस प्रणाली द्वारा कृत्रिम गिर्भधान करा चुका है, अब तक उच्च नस्ल की 18 गाय व 13 भैंस के बच्चे पैदा हो चुके है।

कृषि एंव उदयानीकरण के क्षेत्र को सुद्रढ़ करने के लिये अनेक प्रयास किये गये हैं। पारम्परिक फसलों को बढ़ावा देने के लिए उचित बाजार की व्यवस्था बनाने के प्रयास भी जारी हैं। पारम्परिक फसलों के साथ साथ कुछ नकदी फसलों जैसे केमोमाईल, धृतकुमारी इत्यादि के प्रयोग भी किये गये जोकि सन्तोषजनक रहे हैं। मृदा की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाने के लिए वर्मीकमोस्टीग के तकनीकी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सिचाई हेतु फसलों में पानी की खपत को कम करने के लिए कृषि की नई विधियों जैसे की एस0आर0आई0 का प्रयोग किये जा रहे हैं। इस के अर्न्तगत 2007–2008 में 07 कास्तकारों द्वारा 2.6 नाली में मात्र 600 ग्राम बीज से 330 केजी धान उत्पादन करेन में सफलता मिली।

ग्रामीण समुदाय की जीवन शैली में गुणात्मक सुधार लाने हेतु उपयुक्त तकनीकियों का प्रचार प्रसार भी किया गया, जिससे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एंव सर्वधन में बढ़ोतरी के साथ–साथ महिलाओं के कार्य बोझ पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है। विश्व भर में ग्लोबल वार्मीग एंव बदलते मौसम की चुनौतियों का सामना करने के लिये रणनीतियॉ तैयार की जा रही है। इस क्रम में गगास जलागम के सम्पूर्ण क्षेत्र में 10 मौसम

विश्लेषण केन्द्रों (धनखोली, स्यालसूना, सेली सुनोली, रावलसेरा, देवलीखेत, चमनी, कालिका, भतोरा, छतगुल्ला, भिक्यासेन) की स्थापना गॉवों में की गई है। इन केन्द्रों में वर्षा, तापमान, जल स्राव,मिट्टी कटान,वाष्पीकरण इत्यादि के आकड़े स्थानीय कास्तकारों द्वारा एकत्रित किये जा रहे है। यह आकड़े भविष्य में इस घाटी के जल संरक्षण एंव संवर्धन के लिये, सही नितियॉ बनाने में सहायक होगे।
पारदर्शिता एंव सहभागिता को कायम रखने हेतु इस पत्रिका के माध्यम से विगत तीन वर्षो के दौरान **दुसाद व कनाड़ी गधेरों में** की गई गतिविधियों का उल्लेख किया जा रहा है।

भविष्य में उपरोक्त प्रयासों को गगास घाटी के अन्य गधेरों में भी प्रचारित किये जाने प्रस्तावित है। इस अभियान के प्रचार–प्रसार में दुसाद एंव कनाड़ी गधेरों के समुदाय एंव संगठनों का सहयोग आपेक्षित है। **गोर न खोल, खाल खोल** का नारा देते हुये, हमे विश्वास है कि गगास नदी को पुनर्जीवित करने मे हम सब सफल रहेगे।

गगास जलागम मानचित्र

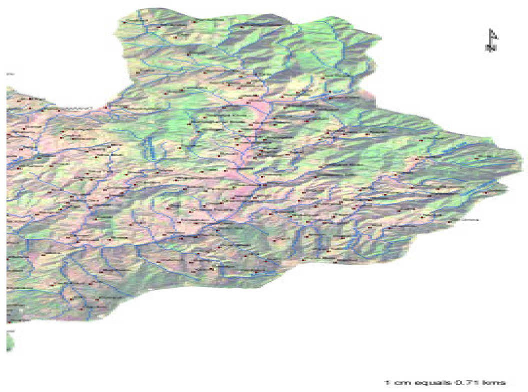

दुसाद गधेरा मानचित्र

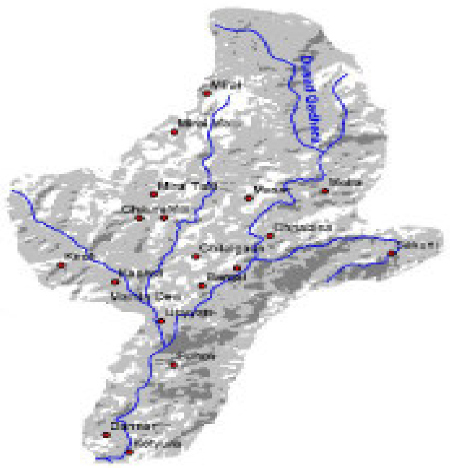

चिललगॉव

1. परिवारों की संख्या : कुल 27 , सामान्य – 27
2. जनसंख्या : 160 (पुरूष 55 , महिला 51, बच्चे 54)
3. **स्वंय सहायता समूह विवरण**

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा जमा (माह) रू.	कुल जमा सितम्बर 08 रू.
1.	दीपक बचत एंव ऋण समूह	2004	16	20	14,046
2.	उजाला बचत एंव ऋण समूह	2004	16	20	13,526
	कुल		32		27,572

* सितम्बर 2008 तक

- गठन तिथि : 9 जनवरी 2006 ● कुल सदस्य : 9 (महिला – 6, पुरूष –3) ● ग्राम कोष : रू0 21,577

4. **गधेरा बचाओ समिति**

नर्सरी कार्यक्रम

- कुल प्रजातियॉ : 15 ● कुल वितरित पौधे : 12,258

वृक्षारोपण कार्यक्रम

5. **जल संवर्धन कार्यक्रम**

- प्लाट का नाम : कुरकेट,खोईगैर,चौरासी ● क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 07 ● पौधों की संख्या : 12,000
- संस्थागत लागत : रू.1,26,152 ● समुदाय लागत : रू. 5,782 ● कुल लागत : रू. 1,31,934

कुरकेट प्लाट में 27 प्रजातियों के अतिरिक्त हाथी घास (नेपियर) जड़/कटिग भी लगाई गई। पिछले तीन वर्षो के अर्न्तगत यहॉ घास उत्पादन में निरन्तर वृद्वि देखी गई, जहॉ वर्ष 2005–2006 में 4,560 केजी घास होती थी वहीं 2007–2008 में 6,300 तथा 2008–09 में 6,930 केजी घास का उत्पादन हुआ।

कुल खालों का निर्माण : **19**
चैकडाम निर्माण (पक्का) : **01**

6. **सामुदायिक विकास कार्यक्रम**

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्प	01	62,601	52,601	10,000
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	13	1,61,850	23,400	1,38,450
3	वैक्लिपिक उर्जा	04	61,550	22,500	39,050
4	बरसाती पानी संग्रहण टैंक	01	13,580	7,000	6,580
	कुल		**2,99,581**	**1,05,501**	**1,94,080**

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में एक हैण्डपम्प व पाईप लाईन के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई, जिसमे पाईप लाईन में कोलीर्फाम उपस्थित पाया गया।

7. **आजीविका विकास कार्यक्रम**

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 13 कास्तकारों ने 2.70 केजी **केमोमाईल** का उत्पादन किया जिससे इनकी कुल आमदनी रू. 1,000 हुई।
- मृदा उपजाऊ शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 15 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।

- मेहल एंव अन्य पेड़ों में उन्नत प्रजाति जैसे नाशपती,प्लम,खुमानी व अखरोट की **कलम लगाई गई**, ताकि भविष्य में कास्तकारों को इसका लाभ मिल सके। इसके तहत 7 कास्तकारों द्वारा अलग पेड़ों की 85 उन्नत किसम की कलम लगाई गई।
- अरहर,गेहू, मक्का के उन्नत बीजों की **मिनी किट** भी समय समय पर 3 कास्तकारों को उपलब्ध कराई गई।
- समुदाय की आयवृद्वि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्षो में 7 प्रकार के 190 पौधों का वितरण किया गया।
- **हिमखाद्‌य कार्यक्रम** के तहत 7 कास्तकारों से दाले व अन्य अनाज खरीदे गये।
- **मुर्गी पालन** के तहत 5 कास्तकारों द्वारा 48 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये। ।
- 5 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति पत्र प्रदान कराई।

सतीनौगॉव तल्ला

1. परिवारों की संख्या : कुल 62 (सामान्य – 36 , अनुसूचित जाति– 26)
2. जनसंख्या : 239 (पुरूष 76 , महिला 83, बच्चे 80)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा जमा (माह) रू.	कुल जमा
1.	महिला उत्थान बचत समूह	2004	08	100	26,244
2.	महिला नवनीत बचत समूह	2004	24	10	11,855
3.	महिला नवदीप बचत समूह	2004	16	20	14,674
	कुल		48		52,773

4. गधेरा बचाओ समिति

- गठन तिथि : 23 जनवरी 2006 ● कुल सदस्य : 13 (महिला – 10, पुरूष – 3) ● ग्राम कोष : रू0 74,708

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

नर्सरी कार्यक्रम

- कुल प्रजातियॉं : 15
- कुल वितरित पौधे : 47,818
- नर्सरी में बचे पौधे : 7,815

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : नामगैर,दुसाद,नैलागैर,धुरीगैर क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 53 पौधों की संख्या : 40,467

संस्थागत लागत : रू. 3,17,860 समुदाय लागत : रू. 26,100 कुल लागत : रू. 3,43,960

प्लाट में 30 प्रजातियों के अतिरिक्त हाथी घास (नेपियर) जड़/कटिग भी लगाई गई। पिछले तीन वर्षो के अर्न्तगत यहॉं घास उत्पादन में निरन्तर वृद्वि देखी गई, जहॉं वर्ष 2005–2006 में 30,000 केजी घास होती थी वहीं 2007–2008 में 33,005 तथा 2008–09 में 36,250 केजी घास का उत्पादन हुआ।

कुल खालों का निर्माण : 27
कन्टूर लाईन (रनिंग मीटर) : 4,009
चैकडाम निर्माण : 08
गली प्लगिंग : 02

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्प				
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	19	2,17,550	40,200	1,77,350
3	वैक्लिपिक उर्जा	03	44,865	18,500	26,365
4	बरसाती पानी संग्रहण टैंक	02	27,580	15,000	15,580
	कुल		2,89,995	73,700	2,19,295

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 2 स्थानों के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद दोनो स्थानों का पानी मानको के अनुसार स्वच्छ निकला।

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 16 कास्तकारों द्वारा **केमोमाईल** का बिजारोपण कार्य किया गया था जिसमे से एक कास्तकार श्री राम दत्त सती जी का 2.9 केजी उत्पादन हुआ, जिससे उनकी कुल आमदनी रू.1,160 हुई
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 21 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- मेहल एंव अन्य पेड़ों में उन्नत प्रजाति जैसे नाशपती,प्लम,खुमानी व अखरोट की **कलम लगाई** गई, ताकि भविष्य में कास्तकारों को इसका लाभ मिल सके। इसके तहत 6 कास्तकारों द्वारा अलग पेड़ों की 77 उन्नत किसम की कलम लगाई गई।
- अरहर,गेहू, मक्का के उन्नत बीजों की मिनी किट भी समय समय पर 6 कास्तकारों को उपलब्ध कराई गई।
- समुदाय की आयवृद्वि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्षो में 7 प्रकार के 388 पौधों का वितरण किया गया।
- **हिमखाद्‌य** कार्यक्रम के तहत 3 कास्तकारों से दाले व अन्य अनाज खरीदे गये।
- **मुर्गी पालन** के तहत 10 कास्तकारों को 64 मुर्गी के बच्चे वितरित किये गये।
- 2 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति प्रदान कराई।

सतीनौगॉव मल्ला

1. परिवारों की संख्या : कुल 53 (सामान्य – 41 , अनुसूचित जाति– 12)
2. जनसंख्या : 289 (पुरूष 105 , महिला 88, बच्चे 96)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा जमा (माह) रू.	कुल जमा
1.	जय भूमिया बचत समूह	2005	26	20	24,895
2.	आरती बचत समूह	2006	10	20	8,195
	कुल		36		33,090

4. गधेरा बचाओ समिति

- गठन तिथि : 25 जनवरी 2006
- कुल सदस्य : 13 (महिला – 10, पुरूष –3)
- ग्राम कोष : रू0 49,856

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

नर्सरी कार्यक्रम

- कुल प्रजातियॉ : 15
- कुल वितरित पौधे : 12,802
- नर्सरी में बचे पौधे : 6,926

वृक्षारोपण कार्यक्रम

- प्लाट का नाम : सीमोव गैर,हल्दू गैर,लछिया गैर,पल्ली नेहड़ी गॉधी चबूतरा
- क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 32
- पौधों की संख्या : 20,592
- संस्थागत लागत : रू0 1,75,002
- समुदाय लागत : रू. 20,622
- कुल लागत : रू0 1,95,624

प्लाट में 30 प्रजातियों के अतिरिक्त हाथी घास (नेपियर) जड़/कटिग भी लगाई गई। पिछले तीन वर्षो के अर्न्तगत यहॉ घास उत्पादन में निरन्तर वृद्वि देखी गई, जहॉ वर्प 2005–2006 में`9900 केजी घास होती थी वहीं 2007–2008 में 11,445 तथा 2008–09 में 26,320 केजी घास का उत्पादन हुआ।

कुल खालों का निर्माण : 90
कन्टूर लाईन : 2,270
गली प्लगिंग : 05

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्प				
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	15	1,64,350	1,36,150	28,200
3	वैक्लिपिक उर्जा	03	45,100	18,000	27,100
4	बरसाती पानी संग्रहण टैंक	01	17,580	8,000	9,580
	कुल		2,27,030	1,62,150	64,880

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 4 स्थानों के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, .जॉच के बाद चारों मे कोलीर्फाम उपस्थित पाया गया था।

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 11 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 14 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- मेहल एंव अन्य पेड़ों में उन्नत प्रजाति जैसे नाशपती,प्लम,खुमानी व अखरोट की **कलम लगाई गई**, ताकि भविष्य में कास्तकारों को इसका लाभ मिल सके। इसके तहत 17 कास्तकारों द्वारा अलग पेड़ों की 76 उन्नत किसम की कलम लगाई गई साथ ही 100 कलमे प्लाट में भी लगाई गई।
- समुदाय की आयवृद्वि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्षो में 8 प्रकार के 248 पौधों का वितरण किया गया।
- अरहर,गेहू, मक्का के उन्नत बीजों की **मिनी किट** भी समय समय पर 3 कास्तकारों को उपलब्ध कराई गई।
- **हिमखाद्य कार्यक्रम** के तहत 2 कास्तकारों से दाले व अन्य अनाज खरीदे गये।
- **मुर्गी पालन** के तहत 5 कास्तकारों द्वारा 48 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये। ।
- 4 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति प्रदान कराई।

तेली सुनोली

1. परिवारों की संख्या : कुल 55 (सामान्य – 35 , अनुसूचित जाति– 20)
2. जनसंख्या : 344 (पुरूप 118 , महिला 103, बच्चे 123)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा जमा (माह) रू.	कुल जमा
1.	जय गोरख नाथ बचत समूह	2006	16	20	12,655
2.	जय दुर्गा बचत समूह	2006	13	20	10,609
3.	जय सेम देवता बचत समूह	2006	12	20	7,922
	कुल		41		31,186

4. गधेरा बचाओ समिति

- गठन तिथि : 04 फरवरी 2006
- कुल सदस्य : 13 (महिला – 08, पुरूष – 05)
- ग्राम कोष : रू0 43,194

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : पनोई,शवाड़ी,पितर कोट क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : **09** पौधों की संख्या : **10,708**

संस्थागत लागत : **रू. 94,259** समुदाय लागत : **रू0 7,466** कुल लागत : **रू. 1,01,725**

प्लाट में 30 प्रजातियों के अतिरिक्त हाथी घास (नेपियर) जड़/कटिग भी लगाई गई। पिछले तीन वर्षो के अर्न्तगत यहॉं घास उत्पादन में निरन्तर वृद्वि देखी गई, जिसके तहत वर्ष 2006–2007 में 2,580 केजी तथा 2007–2008 में 6,300 केजी घास का उत्पादन हुआ।

कुल खालों का निर्माण : **10**

कन्टूर लाईन (रनिंग मीटर) : **1,310**

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑं/हैण्डपम्प	01	69,478	59,478	10,000
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	08	90,756	20,600	70,156
3	वैक्लिपिक उर्जा	04	60,250	24,000	36,250
4	बरसाती पानी संग्रहण टैंक	04	57,000	30,000	27,000
	कुल		**2,77,484**	**1,34,078**	**1,43,406**

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 4 स्थानों के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद चारों स्थानों पर मानको के अनुसार कोलीफार्म पाया गया।

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्प 2007–08 में 09 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 25 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- मेहल एंव अन्य पेड़ों में उन्नत प्रजाति जैसे नाशपती,प्लम,खुमानी व अखरोट की **कलम लगाई** गई, ताकि भविप्य में कास्तकारों को इसका लाभ मिल सके। इसके तहत 6 कास्तकारों द्वारा अलग पेड़ों की 77 उन्नत किसम की कलम लगाई गई।
- समुदाय की आयवृद्दि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्षो में 7 प्रकार के 262 पौधों का वितरण किया गया।
- **हिमखाद्‌य** कार्यक्रम के तहत 3 कास्तकारों से दाले व अन्य अनाज खरीदे गये।
- **मुर्गी पालन** के तहत 20 कास्तकारों को 221 मुर्गी के बच्चे वितरित किये गये।
- 6 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति प्रदान कराई।

सेली सुनोली

1. परिवारों की संख्या : कुल 86 (सामान्य – 58 , अनुसूचित जाति– 28)
2. जनसंख्या : 452 (पुरूष 156 , महिला 156, बच्चे 147)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा जमा (माह) रू.	कुल जमा
1.	महिला आर्दश बचत समूह	2004	19	30	11,191
2.	नव जाग्रति बचत समूह	2006	12	30	13,127
3.	भूमिया बचत समूह	2006	13	20	3,268
4.	उपासना बचत समूह	2006	14	20	11,789
	कुल		**58**		**39,375**

4. गधेरा बचाओ समिति

- गठन तिथि : 10 जून 2006
- कुल सदस्य : 13 (महिला – 10, पुरूप – 3)
- ग्राम कोप : रू0 33,834

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

ग्राम सेली सुनोली में **3 कास्तकारों (पान सिंह, देव सिंह, लक्ष्मण सिंह)** द्वारा नर्सरीयॉं चलाई जा रही हैं। जिसमे लगभग **15** प्रकार की प्रजातियों का रोपित की गई है, तीनों नर्सरी से **25,327** पौधे वितरित किये गये थे, बरसात के बाद **18,461** पौधे उपस्थित थे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : कल्ला गैर,सिमो गैर क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : **10** पौधों की संख्या : **11,923**

संस्थागत लागत : **रू0 1,05,631** समुदाय लागत : **रू0 7,637** कुल लागत : **रू0 1,13,268**

कुल खालों का निर्माण : **15**

कन्टूर लाईन (रनिंग मीटर) : **793**

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑं/हैण्डपम्प	–	–	–	–
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	17	1,98,750	35,200	1,63,550
3	वैक्लिपिक उर्जा	05	77,300	30,000	47,300
4	बरसाती पानी संग्रहण टैंक	09	1,12,680	63,000	49,680
	कुल		**3,88,730**	**1,28,200**	**2,60,530**

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में गॉव की पाईप लाईन के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद मानको के अनुसार उसमे कोलीफार्म उपस्थित पाया गया।

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 11 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 14 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- मेहल एंव अन्य पेड़ों में उन्नत प्रजाति जैसे नाशपती,प्लम,खुमानी व अखरोट की **कलम लगाई** गई, ताकि भविष्य में कास्तकारों को इसका लाभ मिल सके। इसके तहत 06 कास्तकारों द्वारा अलग पेड़ों की 37 उन्नत किसम की कलम लगाई गई।
- समुदाय की आयवृद्वि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्षो में 8 प्रकार के 257 पौधों का वितरण किया गया।
- **मुर्गी पालन** के तहत 15 कास्तकारों को 84 मुर्गी के बच्चे वितरित किये गये।
- 3 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति प्रदान कराई।

बरगला

1. परिवारों की संख्या : कुल 40 (सामान्य – 34 , अनुसूचित जाति– 06)
2. जनसंख्या : 123 (पुरूष 44 , महिला 41, बच्चे 41)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा
1.	स्वंय सहायता समूह	2002	09	10	8,370*
2.	सहारा बचत समूह	2006	12	20	8,172
3.	साहस बचत समूह	2006	11	20	7,226
	कुल		32		23,768

* मई 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

- गठन तिथि : 03 मार्च 2006
- कुल सदस्य : 13 (महिला – 10, पुरूष – 03)
- ग्राम कोष : रू0 19,806

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम

- प्लाट का नाम : पधानी गैर
- क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 05
- पौधों की संख्या : 2,884
- संस्थागत लागत : रू0 33,150
- समुदाय लागत : रू0 1,458
- कुल लागत : रू0 34,608

पिछले तीन वर्षो से पधानी गैर प्लाट में घास के उत्पादन में निरन्तर वृद्वि देखी गई जहॉ 2006–07 में 2,100 केजी घास का उत्पादन हुआ वही 2007–08 में 3,150 तथा 2008–08 में 3,300 केजी उत्पादन हुआ।

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑ / हैण्डपम्प	–	–	–	
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	07	80,250	16,800	63,450
3	वैक्लिपिक उर्जा	01	14,986	4,500	10,486
4	बरसाती पानी संग्रहण टैंक	01	15,650	7,000	8,650
	कुल		1,10,886	28,300	82,586

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 11 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 14 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- मेहल एंव अन्य पेड़ों में उन्नत प्रजाति जैसे नाशपती,प्लम,खुमानी व अखरोट की **कलम लगाई** गई, ताकि भविष्य में कास्तकारों को इसका लाभ मिल सके। इसके तहत 9 कास्तकारों द्वारा अलग पेड़ों की 57 उन्नत किसम की कलम लगाई गई।
- **मुर्गी पालन** के तहत 2 कास्तकारों द्वारा 15 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।
- 1 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति प्रदान कराई।

उभ्याड़ी

1. परिवारों की संख्या : कुल 49 (सामान्य – 46 , अनुसूचित जाति– 03)
2. जनसंख्या : 313 (पुरूष 100 , महिला 105, बच्चे 99)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा
1.	प्रगति बचत समूह	2002	13	50	52,557 *
2.	नारी जागरूकता बचत समूह	2002	32	50	55,410 *
	कुल		45		1,07,967

* अगस्त 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

- गठन तिथि : 13 जनवरी 2006
- कुल सदस्य : 13 (महिला – 13)
- ग्राम कोष : रू0 31,353

5. **जल संवर्धन कार्यक्रम**

वृक्षारोपण कार्यक्रम

- प्लाट का नाम : धुनीया ढ़ाई, तल्ला कनाव, नीमू गैर   क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 06
- पौधों की संख्या : **7,075**
- संस्थागत लागत : रू. 66,398   समुदाय लागत : रू. 4,302   कुल लागत : रू. 70,700

पिछले दो वर्षो के आकड़ों से प्लाट में घास के उत्पादन में निरन्तर वृद्वि देखी गई 2007–08 में 7,380 केजी घास होती थी वहीं तथा 2008–08 में 8,490 केजी उत्पादन हुआ।

कन्टूर लाईन (रनिंग मीटर) : **150**

6. **सामुदायिक विकास कार्यक्रम**

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्प	–	–	–	–
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	06	65,400	12,300	53,100
3	वैक्लिपिक उर्जा	–	–	–	–
4	बरसाती पानी संग्रहण टैंक	01	13,850	7,000	6,850
	कुल		**79,250**	**19,300**	**59,950**

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 4 हैण्डपम्प के पानी के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद मानको के अनुसार 1 हैण्डमम्प में कोलीफार्म की मात्रा पाई गई।

7. **आजीविका विकास कार्यक्रम**

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 11 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 14 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- मेहल एंव अन्य पेड़ों में उन्नत प्रजाति जैसे नाशपती,प्लम,खुमानी व अखरोट की **कलम लगाई** गई, ताकि भविष्य में कास्तकारों को इसका लाभ मिल सके। इसके तहत 06 कास्तकारों द्वारा अलग पेड़ों की 37 उन्नत किसम की कलम लगाई गई।
- समुदाय की आयवृद्दि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्षो में 8 प्रकार के 257 पौधों का वितरण किया गया।
- **मुर्गी पालन** के तहत 12 कास्तकारों द्वारा 60 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।
- 3 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति प्रदान कराई।

छब्बीसा

1. परिवारों की संख्या : कुल 29 (सामान्य – 29)
2. जनसंख्या : 212 (पुरूष 62 , महिला 64, बच्चे 83)
3. **स्वंय सहायता समूह विवरण**

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा जमा (माह) रू.	कुल जमा
1.	चॉद बचत समूह	2004	13	**50**	**11,343** *
2.	चॉदनी बचत समूह	2004	32	**20**	**16,708** *
	कुल		**45**		**1,07,967**

* सितम्बर 2008 तक

4. **गधेरा बचाओ समिति**

- गठन तिथि : 17 नवम्बर 2006
- कुल सदस्य : 11 (महिला – 07, पुरूष – 04)   ग्राम कोष : रू0 22,572

5. **जल संवर्धन कार्यक्रम**

नर्सरी कार्यक्रम

- कुल प्रजातियॉं : 15
- कुल वितरित पौधे : 6,891

वृक्षारोपण कार्यक्रम

- प्लाट का नाम : खतड़वाधार से बुड़िया गैर तक
- क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 06
- पौधों की संख्या : 6,189

संस्थागत लागत : रू0 56,391   समुदाय लागत : रू. 5,474   कुल लागत : रू. 61,865

पिछले दो वर्षो के आकड़ों से प्लाट में घास के उत्पादन में निरन्तर वृद्वि देखी गई 2007–08 में 15,960 केजी घास हुई वहीं 2008–08 में 16,500 केजी उत्पादन हुआ।

कुल खालों का निर्माण : **23**

6. **सामुदायिक विकास कार्यक्रम**

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्प	01	63,602	–	–
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	12	1,57,250	21,600	1,35,650
3	वैक्लिपिक उर्जा	–	–	–	–
	कुल		**1,20,852**	**21,600**	**1,35,650**

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 1 हैण्डपम्प व चार नौलो के पानी के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद मानको के अनुसार 4 नौलों में कोलीफार्म की मात्रा पाई गई।

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 15 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 14 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- मेहल एंव अन्य पेड़ों में उन्नत प्रजाति जैसे नाशपती,प्लम,खुमानी व अखरोट की **कलम लगाई** गई, ताकि भविष्य में कास्तकारों को इसका लाभ मिल सके। इसके तहत 07 कास्तकारों द्वारा अलग पेड़ों की 26 उन्नत किसम की कलम लगाई गई।
- समुदाय की आयवृद्वि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्षो में 8 प्रकार के 180 पौधों का वितरण किया गया।
- **हिमखाद्य** कार्यक्रम के तहत 4 कास्तकारों से दाले व अन्य अनाज खरीदे गये।
- **मुर्गी पालन** के तहत 20 कास्तकारों द्वारा 233 मुर्गी के बच्चे खरीदे।
- 2 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति प्रदान कराई।

नाहरा

1. परिवारों की संख्या : कुल 43 (सामान्य –8, अनुसूचित जाति – 35)
2. जनसंख्या : 328 (पुरूष 91 , महिला 91, बच्चे 146)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	सुर्यकमल बचत समूह	2004	12	50	6,019 *
2.	सुर्योदय बचत समूह	2004	11	20	379 *
	कुल		23		6,398

* मार्च 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

- गठन तिथि : 09 मार्च 2006
- कुल सदस्य : 13 (महिला – 09, पुरूष – 04) ग्राम कोष : रू0 **21,091**

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम

- प्लाट का नाम : नौला गधेरा, पल्ली घिराड़ी
- क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 02 पौधों की संख्या : 2,112
- संस्थागत लागत : रू0 24,326 समुदाय लागत : रू0 1,018 कुल लागत : रू0 25,344

कुल खालों का निर्माण : 15

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	पर्यावरणीय स्वच्छता	08	94,780	52,000	70,400
2	बरसाती जल संग्रहण टैंक	07	88,400	18,000	42,780
	कुल		**1,83,180**	**70,000**	**1,13,180**

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 2 हैण्डपम्प व 1 नौलो के पानी के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद मानको के अनुसार 1 नौलों और 1 हैण्डमम्प में कोलीफार्म की मात्रा पाई गई।

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 13 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 15 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- समुदाय की आयवृद्वि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्षो में 5 प्रकार के 43 पौधों का वितरण किया गया।
- **हिमखाद्य** कार्यक्रम के तहत 5 कास्तकारों से दाले व अन्य अनाज खरीदे गये।
- **मुर्गी पालन** के तहत 18 कास्तकारों द्वारा 136 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।
- 1 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति प्रदान कराई।

भौरा

1. परिवारों की संख्या : कुल 18 (सामान्य –18)
2. जनसंख्या : 89 (पुरूष 32 , महिला 30, बच्चे 37)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	उजागर बचत समूह	2004	16	20	17,210 *

* मार्च 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 04 मार्च 2006

कुल सदस्य : 13 (महिला – 13) ग्राम कोष : रू0 **13,036**

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

नर्सरी कार्यक्रम

कुल प्रजातियाँ : 15 कुल वितरित पौधे : **29,591** नर्सरी में बचे पौधे : **15,223**

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : डानी गैर क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : **04** पौधों की संख्या : **8,941**

संस्थागत लागत : **रू. 82,263** समुदाय लागत : **रू. 2,677** कुल लागत : **रू. 84,940**

पिछले तीन वर्षो के आकड़ों से प्लाट में घास के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि देखी गई 2006–07 में जहाँ 5,250 केजी घास हुई वहीं 2007–08 में 11,250 तथा 2008–09 में 11,880 केजी उत्पादन हुआ।

कुल खालों का निर्माण : **04**

चैकडाम निर्माण : **01**

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	पर्यावरणीय स्वच्छता	03	29,400	8,500	20,900
2	वैक्लिपिक उर्जा (बायोगैस)	01	16,280	6,000	10,280
	कुल		**46,680**	**14,500**	**31,180**

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 1 हैण्डपम्प के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद मानको के अनुसार पानी स्वच्छ पाया गया।

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 12 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 08 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- समुदाय की आयवृद्धि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्षो में 5 प्रकार के 51 पौधों का वितरण किया गया।
- **हिमखाद्य** कार्यक्रम के तहत 10 कास्तकारों से दाले व अन्य अनाज खरीदे गये।

मासर

1. परिवारों की संख्या : कुल 45 (सामान्य –35, अनुसूचित जाति – 10)
2. जनसंख्या : 321 (पुरूष 114 , महिला 96, बच्चे 111)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	किरण बचत समूह	2004	14	10	7,171 *
2.	महिला आर्दश बचत समूह	2004	19	50	11,191
	कुल		**33**		**18,362**

* अप्रैल 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 20 फरवरी 2006

कुल सदस्य : 11 (महिला – 06, पुरूप – 5) ग्राम कोप : रू0 **30,060**

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : बैकल नात, काशी गैर, कुँआ गैर, नाहरा गैर, रूपा नौला, डोबा

क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : **07** पौधों की संख्या : **4,426**

समुदाय लागत : **रू.47,169** संस्थागत लागत : **रू.5,943** कुल लागत : **रू. 53,112**

कुल खालों का निर्माण : **15**

कन्टूर लाईन (रनिंग मीटर) : **143**

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुआॅ/हैण्डपम्प	01	38,404	–	–
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	09	1,01,540	18,200	83,340
3	बरसाती पानी टैंक	03	38,610	24,000	14,610
	कुल		**1,78,554**	**42,200**	**197,950**

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में चार नौलो के पानी के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद मानको के अनुसार चारों नौलों का पानी स्वच्छ रहा।

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्प 2007–08 में 12 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 13 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- **हिमखाद्य** कार्यक्रम के तहत 8 कास्तकारों से दाले व अन्य अनाज खरीदे गये।
- **मुर्गी पालन** के तहत 20 कास्तकारों द्वारा 28 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।
- 1 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति प्रदान कराई।

दरमाड़

1. परिवारों की संख्या : कुल 64 (सामान्य – 41, अनुसूचित जाति – 23)
2. जनसंख्या : 416 (पुरूष 213 , महिला 203, बच्चे 143)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	विकास बचत समूह	2001	15	100	64,551 *
2.	नव विकास समूह	2006	10	50	21,900 *
3.	नव प्रभात समूह	2006	19	100	17,077 *
4.	किशोरी समूह	2006	11	50	10,018 *
	कुल		55		1,13,546

* मार्च 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि :02 सितम्बर 2006

कुल सदस्य : 13 (महिला – 09, पुरूष – 04) ग्राम कोष : रू0 **39,342**

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : जोशी गैर, भ्याल सुना,गोलू धार

क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : **17** पौधों की संख्या : **11,999**

संस्थागत लागत : **रू.1,27,183** समुदाय लागत : **रू. 7,740** कुल लागत : **रू.1,34,923**

कुल खालों का निर्माण : **17**

कन्टूर लाईन (रनिंग मीटर) : **834**

गली प्लगिंग : **03**

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	पर्यावरणीय स्वच्छता	15	1,63,550	35,400	1,28,150
2	वैक्लिपिक उर्जा	03	46,250	18,000	28,250
3	बरसाती जल संग्रहण टैंक	01	12,980	8,000	4,980
	कुल		**2,24,780**	**61,400**	**1,61,380**

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 1 नौले के पानी के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद मानको के अनुसार नौले में कोलीफार्म की मात्रा पाई गई।

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्प 2007–08 में 11 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 16 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- समुदाय की आयवृद्वि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्पो में 5 प्रकार के 287 पौधों का वितरण किया गया।
- **हिमखाद्य** कार्यक्रम के तहत 7 कास्तकारों से दाले व अन्य अनाज खरीदे गये।
- **मुर्गी पालन** के तहत 10 कास्तकारों द्वारा 97 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।
- 1 कास्तकारों को शासन द्वारा उनके **रीठा उपज** को विक्रय करने हेतु स्वीकृति प्रदान कराई।

तल्ली मिरई

1. परिवारों की संख्या : कुल 134 (सामान्य –104, अनुसूचित जाति – 30)
2. जनसंख्या : 925 (पुरूष 275 , महिला 291, बच्चे 359)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	ज्ञानदीप बचत समूह	2001	19	20	13,079
2.	दिशा बचत समूह	2006	17	20	11,741
3.	जय सन्तोषी मॉ समूह	2006	13	50	7,083 *
4.	जय सत्य देव समूह	2007	13	25	8,064 *
5.	ज्योति बचत समूह	2007	18	25	11,991 *
	कुल		62		51,958

* अगस्त 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 05 अप्रैल 2007

कुल सदस्य : 13 (महिला – 11, पुरूष – 2) ग्राम कोष : रू0 **41,404**

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : ऑवला धार क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : **08** पौधों की संख्या : **10,336**

संस्थागत लागत : **रू. 1,00,063** समुदाय लागत : **रू. 8,457** कुल लागत : **रू. 1,08,520**

पिछले दो वर्षो के आकड़ों से प्लाट में घास के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि देखी गई जहॉ 2007–08 में 7000 केजी उत्पादन हुआ वही 2008–09 में 8,750 केजी उत्पादन हुआ।

कुल खालों का निर्माण : **12**

कन्टूर लाईन (रनिंग मीटर) : **980**

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	पर्यावरणीय स्वच्छता	23	2,66,800	43,600	2,23,200
2	वैक्लपिक उर्जा (बायोगैस)	07	1,15,460	73,00	82,460
	कुल		**3,82,260**	**50,900**	**3,05,660**

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 2 नौलों के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद मानको के अनुसार दानो में कोलीर्फाम पाया गया।

7. आजीविका विकास कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 23 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 48 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- समुदाय की आयवृद्वि में **फलदार पेड़ों** की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, इसके तहत पिछले तीन वर्षो में प्रकार 5 के 45 पौधों का वितरण किया गया।
- **मुर्गी पालन** के तहत 24 कास्तकारों द्वारा 126 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।

कटयूड़ा

1. परिवारों की संख्या : कुल 65 (सामान्य –61 अनुसूचित जाति – 01)
2. जनसंख्या : 3571 (पुरूष 188 , महिला 169, बच्चे 137)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	जय मॉ काली बचत समूह	2006	20	**50**	**28,583** *
2.	जय भूमिया बचत समूह	2006	20	**50**	**31,633**
3.	महिला साधना बचत समूह	2006	11	**50**	**14,883***
	कुल		**51**		**75,099**

* जुलाई 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 27 जून 2006

कुल सदस्य : 13 (महिला – 09, पुरूष – 04) ग्राम कोष : रू0 **38,677**

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत ग्राम कटयूड़ा की अपनी वन पंचायन न होने के कारण समुदाय द्वारा व्यक्तिगत भूमि में पिछले तीन वर्षो में 468 पौधों का रोपण किया गया।

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	पर्यावरणीय स्वच्छता	10	1,12,000	20,700	91,300

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 3 हैण्डम्पों के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद मानको के अनुसार उनका पानी स्वच्छ पाया गया।

- इस कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 2007–08 में 11 कास्तकारों **द्वारा केमोमाईल** को प्रयोग हेतु उत्पादित किया गया था, जिसके परिणाम अच्छे रहे। कास्तकारों द्वारा इसके खेती में आय की अधिक संभावना देखते हुये इसकी खेती विस्तृत रूप में करने की इच्छा जाहिर की गई।
- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 15 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- मेहल एंव अन्य पेड़ों में उन्नत प्रजाति जैसे नाशपती,प्लम,खुमानी व अखरोट की **कलम लगाई** गई, ताकि भविष्य में कास्तकारों को इसका लाभ मिल सके। इसके तहत 06 कास्तकारों द्वारा अलग पेड़ों की 44 उन्नत किसम की कलम लगाई गई।
- **मुर्गी पालन** के तहत 5 कास्तकारों द्वारा 25 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।
- **हिमखाद्य** कार्यक्रम के तहत 5 कास्तकारों से दाले व अन्य अनाज खरीदे गये।

कफड़ा

1. परिवारों की संख्या : कुल 65 (सामान्य –61 अनुसूचित जाति – 01)
2. जनसंख्या : 230 (पुरूप 72 , महिला 69, बच्चे 89)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	वसुन्धरा बचत समूह	2005	22	100	62,859 *
2.	जाग्रति बचत समूह	2005	19	100	25,404*
2.	जय मॉ गंगा बचत समूह	2007	17	20	2660*
	कुल		58		90,923

* अगस्त 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 16 जनवरी 2008

कुल सदस्य : 13 (महिला – 13) ग्राम कोप : रू0 30,360

5. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	पर्यावरणीय स्वच्छता	08	91,654	19,500	72,154
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	01	12,788	5,500	7,288
3	बरसाती जल संग्रहण टैंक	01	13,170	6,000	7,170
		10	1,17,612	31,000	86,612

जल गुणवत्ता जॉच कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2008 में 2 नौले के पानी के जल की गुणवत्ता की जॉच की गई थी, जॉच के बाद मानको के अनुसार नौले में कोलीफार्म की मात्रा पाई गई।

6. आजीविका विकास कार्यक्रम

- मृदा शक्ति एंव फसल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए गॉव के 6 कास्तकारों द्वारा **वर्मी कम्पोस्टिग** तकनीक को अपनाया।
- **मुर्गी पालन** के तहत 20 कास्तकारों द्वारा 97 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।

कनाड़ी गधेरा मानचित्र

पस्तोड़ापार

1. परिवारों की संख्या : कुल 34 (सामान्य –34)
2. जनसंख्या : 230 (पुरूप 69 , महिला 62, बच्चे 103)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	महिला पर्यावरण मण्डल	2006	25	25	20,150*

* अगस्त 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 20 फरवरी 2006

कुल सदस्य : 13 (महिला – 05, पुरूप – 06) ग्राम कोप : रू0 24,923

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

नर्सरी कार्यक्रम

पस्तोरापार में 2 कास्तकारों (श्री दिगम्बर सिंह, बागम्बर सिंह) द्वारा नर्सरी चलाई जा रही है, यहॉ 10 प्रकार की प्रजातियों के पौधों को नर्सरी में रोपित किया गया, अब तक 3,450 पौधे नर्सरी से जा चुके है 4,327 पौधे नर्सरी में बचे हुये है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : सुतरगैर, दसाईभयो

क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 13 पौधों की संख्या : 17,539

संस्थागत लागत : रू. 1,47,805 समुदाय लागत : रू. 10,046 कुल लागत : रू. 15,78,51

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	पर्यावरणीय स्वच्छता	03	32,400	27,300	5,100

7. अन्य कार्यक्रम

- पस्तोड़ापार में पशु नस्ल सुधार हेतु महेन्द्र सिंह, ग्राम दूणी द्वारा 7 कास्तकारों के यहॉ क्रत्रिम गर्भाधान किया गया जिसमे से 2 गाय की बछिया व 1 उच्च नस्ल का बच्ड़ा पैदा हुआ। इस कार्यक्रम को कनाड़ी क्षेत्र में काफी बढ़ावा मिल रहा है, आशा है, भविष्य में इस क्षेत्र के पशुओं की नस्ल सुधार में महत्वपूर्ण सुधार हो सकता है।
- **मुर्गी पालन** के तहत 09 कास्तकारों द्वारा 44 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।

सैल्टाना

1. परिवारों की संख्या : कुल 09 (सामान्य –9, अनुसूचित जाति – 1)
2. जनसंख्या : 214 (पुरूप 69 , महिला 67, बच्चे 78)
3. **स्वंय सहायता समूह विवरण**

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	उजागर बचत समूह	2005	09	50	14,553*

* अगर्स्त 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 14 फरवरी 2006

कुल सदस्य : 06 (महिला – 04, पुरूप – 02) ग्राम कोप : रू0 9,880

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

नर्सरी कार्यक्रम

कुल प्रजातियॉ : 10 कुल वितरित पौधे : 5,200 नर्सरी में बचे पौधे : 1,200

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : भूमिया खाल

क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 04 पौधों की संख्या : 8,283

संस्थागत लागत : रू. 74,660 समुदाय लागत : रू. 9,880 कुल लागत : रू. 84,540

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्प	01	69,800	69,800	–
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	05	54,000	46,500	7,500
			1,23,800	1,16,300	7,500

7. अन्य कार्यक्रम

- ग्राम सेल्टाना में पशु नस्ल सुधार हेतु प्रशिक्षित महेन्द्र सिंह ने क्रत्रिम गर्भाधान द्वारा 3 कास्तकारों के जानवरों पर प्रयोग किया जिसमे से 1 उच्च नस्ल की भैस का बछड़ा पैदा हुआ।

सेनरी

1. परिवारों की संख्या : कुल 32 (सामान्य –30, अनुसूचित जाति – 2)
2. जनसंख्या : 54 (पुरूप 17 , महिला 18, बच्चे 19)
3. **स्वंय सहायता समूह विवरण**

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	जन जाग्रति बचत समूह	2005	13	50	1300
2.	नवदीप बचत समूह	2006	12	50	16,970
3.	लक्ष्मी बचत समूह	2005	17	50	18,966*
	कुल		42		37,236

* अप्रैल 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 13 फरवरी 2006

कुल सदस्य : 11 (महिला – 07, पुरूप – 04) ग्राम कोप : रू0 **21,950**

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : डासी गैर, जय खाल

क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 05 पौधों की संख्या : 7,961

संस्थागत लागत : रू. 70,666 समुदाय लागत : रू. 5,759 कुल लागत : रू. 76,425

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	पर्यावरणीय स्वच्छता	14	1,51,200	1,29,300	21,900

7. अन्य कार्यक्रम

- ग्राम सेनरी में पशु नस्ल सुधार हेतु क्रित्रिम गर्भाधान द्वारा 3 कास्तकारों के वहॉ उच्च नस्ल की भैस का बछड़ा पैदा हुआ।
- **मुर्गी पालन** के तहत 05 कास्तकारों द्वारा मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।

तल्ली सलोनी

1. परिवारों की संख्या : कुल 44 (सामान्य –44)
2. जनसंख्या : 296 (पुरूप 85 , महिला 88, बच्चे 123)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	जय मॉ बचत समूह	2007	12	**50**	**11,016**
2.	जय ग्वेल देवता समूह	2007	18	**20**	**6,120**
	कुल		**30**		**17,136**

* अगस्त 2008 तक

Eco-Restoration of Gagas River Basin

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 18 अप्रैल 2007

कुल सदस्य : 10 (महिला – 02, पुरूप – 08) ग्राम कोप : रू0 **10,900**

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

नर्सरी कार्यक्रम

कुल प्रजातियॉ : 10 कुल वितरित पौधे : **1,843** नर्सरी में बचे पौधे : **2,202**

वृक्षारोपण कार्यक्रम समुदाय लागत : रू. 2,740

प्लाट का नाम : गदग्यार

क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 04 पौधों की संख्या : 8,283

संस्थागत लागत : रू. 3,938 कुल लागत : रू. 42,924

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्प	01	64,895	52,895	12,000

7. अन्य कार्यक्रम

- ग्राम तल्ली सलोनी में पशु नस्ल सुधार हेतु 1 कास्तकारों द्वारा अपने पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान करवाया।
- **मुर्गी पालन** के तहत 03 कास्तकारों द्वारा 14 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।

मल्ली सलोनी

1. परिवारों की संख्या : कुल 48 (सामान्य –38, अनुसूचित जाति – 10)
2. जनसंख्या : 302 (पुरूप 94 , महिला 88, बच्चे 120)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	महिला विकास बचत समूह	2007	19	50	19,000

* अगस्त 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 05 अप्रैल 2007

कुल सदस्य : 13 (महिला – 07, पुरूप – 06) ग्राम कोप : रू0 **11,329**

पान हिमालयन ग्रासरूटस डेवलमेन्ट फाउन्डेशन

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : तिखा भ्यों, तिखा दण

क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 09 पौधों की संख्या : 5,679

संस्थागत लागत : रू. 58,783 समुदाय लागत : रू. 3,686 कुल लागत : रू. 62,469

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्प	01	70,213	70,213	

7. अन्य कार्यक्रम

- ग्राम मल्ली सलोनी में पशु नस्ल सुधार हेतु 1 कास्तकारों द्वारा अपने पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान करवाया।
- **मुर्गी पालन** के तहत 20 कास्तकारों द्वारा 256 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।

गटोली

1. परिवारों की संख्या : कुल 62 (सामान्य –58, अनुसूचित जाति – 4)
2. जनसंख्या : 423 (पुरूप 132 , महिला 124, बच्चे 167)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	नव ज्योति बचत समूह	2006	22	20	11,271
2.	नव निर्माण समूह	2006	21	20	10,964
	कुल		43		22,235

* अगस्त 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 24 अप्रैल 2007

कुल सदस्य : 11 (महिला – 05 पुरूप – 06) ग्राम कोप : रू0 12,563

5. जल संवर्धन कार्यक्रम

नर्सरी कार्यक्रम

कुल प्रजातियॉ : 10 कुल वितरित पौधे : 2,182 नर्सरी में बचे पौधे : 2,418

वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्लाट का नाम : मंगू धार, मंगू भ्यो

क्षेत्रफल (हैक्टेयर) : 04 पौधों की संख्या : 4,639

संस्थागत लागत : रू. 43,856 समुदाय लागत :रू. 2,534 कुल लागत : रू. 46,390

6. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

क्रम सं0	कार्यक्रम	संख्या नं0	कुल लागत रू.	संस्थागत लागत रू.	समुदाय लागत रू.
1	रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्प	01	72,097	72,097	–
2	पर्यावरणीय स्वच्छता	01	10,800	9,300	1,500
			82,897	81,397	1,500

7. अन्य कार्यक्रम

- ग्राम गटोली में पशु नस्ल सुधार हेतु 2 कास्तकारों द्वारा अपने पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान करवाया ।
- **मुर्गी पालन** के तहत 04 कास्तकारों द्वारा 60 मुर्गी के बच्चे खरीदे गये।

तल्ला डौडा

1. परिवारों की संख्या : कुल 62 (सामान्य –58, अनुसूचित जाति – 4)
2. जनसंख्या : 423 (पुरूप 132 , महिला 124, बच्चे 167)

3. स्वंय सहायता समूह विवरण

क्रम सं0	समूह का नाम	संगठन वर्ष	सदस्य संख्या	प्रति सदस्य जमा (माह) रू.	कुल जमा रू.
1.	उगता सूरज बचत समूह	2005	12	20	6,273

* अगस्त 2008 तक

4. गधेरा बचाओ समिति

गठन तिथि : 22 फरवरी 2006

कुल सदस्य : 9 (महिला – 04 पुरूप – 05) ग्राम कोप : रू0 6,141